







## चिंतन

## विकासशील से विकसित की ओर बढ़ा एक और कदम

वि

कासपील से विकसित होने के सफर पर भारत ने एक कदम और बढ़ा दिया है। हालांकि रास्ता बहुत लंबा है, लेकिन विकसित होने की सबसे पहली और जलूरी शर्त है मजबूत और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित आधारभूत ढांचा, भारत बहुत तेजी से इस पर कदम दर कदम बढ़ा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुक्रवार को देश के सबसे लंबे सी-बिज अटल सेटु का उद्घाटन करना इसी की एक कड़ी है। यह छिंग मुंबई से नवी मुंबई को जोड़ा। इससे दो घंटे का सफर 20 मिनट में पूरा होगा। पुल की कुल लागत 17 हजार 843 करोड़ रुपये है। 21.8 लोमीटर लंबे सिक्क लेने वाले ब्रिज को मुंबई द्वारा राष्ट्रीय सी-लिंक को लेकर भारत और भारतीयों के संपर्क से पूरी दुनिया में जो बवंडर खड़ा हुआ, शेयर मार्केट से लेकर स्वयं गौतम अडानी की कंपनियों को जो नुकसान पहुंच तथा नरेंद्र मोदी सरकार को लेकर पैदा हुआ संदेह सभी तकाल निराधार साबित हुए हैं। न्यायालय ने यह कहा है कि एसेंटरी को लेकर भारत और भारतीयों के संपर्क से पूरी दुनिया में जो बवंडर खड़ा हुआ, शेयर मार्केट से लेकर स्वयं गौतम अडानी की कंपनियों को जो नुकसान पहुंच तथा नरेंद्र मोदी सरकार को लेकर पैदा हुआ संदेह सभी तकाल निराधार साबित हुए हैं। न्यायालय ने यह कहा है कि एसेंटरी के आरोपों की जांच के लिए सींटों का विशेष जांच दल गठित करने वानी किसी दूसरी एजेंसी को सौनाने की आवश्यकता नहीं है। याचिकाकर्ताओं की ओर से बार-बार सिक्कोरिया एंड एक्सचेंज बोर्ड आफ इंडिया यानी सेबी की जांच को प्रश्नों के घेरे में लाने को भी न्यायालय ने सही नहीं माना तथा उसकी जांच से संतुष्टि व्यक्त की। सेबी अब तक 24 में से 22 मामलों की जांच पूरी कर चुकी है।

सही है कि शीर्ष न्यायालय ने सेबी और भारत सरकार से कहा है कि निवेशकों की रक्षा के लिए तकाल उपाय करें, कानून को सख्त करें तथा जरूरत के मुताबिक सुधार भी। यह भी कहा कि सुनिश्चित करें कि एसेंटरी इस तरह की अस्थिरता का शिकार नहीं हो जैसा कि हिंडेनबर्ग रिपोर्ट जारी होने के बाद देखा गया था। आनंद रखिए कि न्यायालय द्वारा न्यायमूर्ति सप्रे की अध्यक्षता में गठित विशेषज्ञों की समिति की रिपोर्ट पर भी विचार किया गया। इस समिति ने भी शेयर निवेश की सुरक्षा से संबंधित सुझाव दिए हैं। न्यायालय ने यह उसे शासित करने के लिए बास्तव में फैसले का यह पहलू स्वाभाविक है क्योंकि हिंडेनबर्ग रिपोर्ट के बाद अडानी समूह के शरणों में जिस ढंग से गिरावट आई उससे पूरा भूचाल पैदा हो गया था। आगे ऐसा ना हो इसका सुरक्षा उपाय करना आवश्यक है और इसी ओर न्यायालय ने आधार दिलाया है। इसमें कोई अगर किसी भी तरह हिंडेनबर्ग रिपोर्ट में थोड़ी भूल होता है तो उसकी समझ पर प्रभान्त खड़ा होगा। न्यायालय के फैसले से साफ हो गया कि गौतम अडानी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लाए गए आरोप और विचार करके कार्य करता है, जिसके स्थान सहज ही उत्तेजित नहीं होते तथा जो अवनंत्र प्रेरणा और सहानुभूति संपन्न है, केवल वही व्यक्ति संसार में प्रोप्रोकार कर सकता है और इस तरह वह अपनी भी कल्याण कर सकता है। यह संसार चरित्र गठन की एक विशाल व्यायामशाला है।

## सबके राम

प्रो. श्याम सुंदर भाटिया



## श्रीराम के अद्भुत अर्चक फादर कामिल बुलके

वे

लियम में जन्मे फादर कामिल बुलके की जग-विख्यात विशेषता यह है कि वे रामकथा के मर्मज, हिंदी के विद्वान और लेखन में ज्ञेय भाष्य थे। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से 'रामकथा उत्पत्ति और विकास' में पी.एच.डी. की। यह शोध में संस्कृत, पाली, प्राकृत, अपभ्रंश, विद्वी, बंगाल, काठीय आदि समस्त प्राचीन और आधुनिक भारतीय भाषाओं में उपलब्ध राम प्रत्यक्ष विपुल साहित्य का ही नहीं, वरन् तिब्बती, बर्मी, सिंधुल, इंडो-सेन्याई, मलय, थाई आदि एशियाई भाषाओं के समस्त राम साहित्य की सामग्री की भी अत्यन्त वैज्ञानिक रीत से उपयोग हुआ है। तुलसीदास उन्हें उत्तरे ही प्रिय थे, जिन्हें अपनी मातृभाषा पर्लिमिया के महाकवि गजेले या अंग्रेजी के महान ड्रेमेटिस्ट विलियम शेक्सपियर 'रामकथा-वैश्वक सन्दर्भ में' का लोकार्पण करते प्रसिद्ध साहित्यकार के दरारनथ सिंह ने एक बार कहा था, फादर कामिल बुलके के शोध ग्रन्थ में साहित्यकारों की सर्वतों रूप से हिंदी के संग-संग विदेश में भी रामकथा के तुलनात्मक साहित्य अध्ययन की शुरूआत हुई। उन्होंने अपनी मातृभूमि बैलियन में एक बार उन्होंने लिया था, अगर वह हिंदी और लड़ी थी। एक बार उन्होंने लिया था, अगर वह हिंदी की सेवा में नहीं लगता तो अपने देश में पर्लिमिया क्रांतिकारी होते हैं। उन्होंने रामकथा उत्पत्ति और विकास' ग्रन्थ की रचना में कितना परिश्रम किया होगा, यह पुस्तक के अध्ययन के अध्ययन में ही समझ में आ सकता है। रामकथा से संबंध रखने वाली किसी भी सामग्री को उन्होंने छोड़ा नहीं है। प्रथम भाग में 'प्राचीन रामकथा' का विवेचन है, जिसके पांच अध्यायों में वैदिक साहित्य और रामकथा, वाल्मीकित रामायान, महाभारत की रामकथा, बौद्ध रामकथा और जैन रामकथा संबंधी सामग्री की पूर्ण समीक्षा की गई है। द्वितीय भाग में रामकथा की उत्पत्ति है तो इसके चार अध्यायों में दरश जातक की समस्या, रामकथा के मूल स्रोत के संबंध में विद्वानों के मत, प्रचलित वाल्मीकीय रामायण के मुख्य प्रक्षेपण और रामकथा के प्रारंभिक विकास पर चिनत किया गया है। ग्रन्थ के तृतीय भाग में 'अवनंत्र रामकथा साहित्य का सिंहावलकन' है। इसमें भी चार अध्याय हैं—पहली और दूसरी अध्ययन तथा ललित साहित्य में पाठ्यकार का विचार करता है। तीसरे अध्याय में आधुनिक भाषाओं के रामकथा संबंधी साहित्य का विचार है। चौथे अध्याय में विदेश में पाये जाने वाले रामकथा के रूप में सार दिया गया है, जिसमें तिब्बत, खोतान, हिंदीवाराण, हिंदीचीन, श्याम, ब्रह्मदेश आदि में उपलब्ध सामग्री का पूर्ण परिचय एक ही स्थान पर मिल जाता है। अंतिम और चतुर्थ भाग में रामकथा संबंधी एक-एक घटना को लेकर पृथक-पृथक विकास दिखाता है। घटनाएं कालक्रम से ली गई हैं। उपसाह रामकथा की सामग्री का विश्वास करता है। वास्तव में वह जो रामायण उन्होंने अपने दोनों गोलीय हैं और कुछ समय दर्ज करता है। उन्होंने दोनों गोलीय हैं और अनूठी भी है। हिंदी गोली की डिगी थी, जो उन्होंने लोनैन विश्वविद्यालय से प्राप्त की। 1934 में उन्होंने संक्षिप्त दोरा किया और कुछ समय दार्ज किया। उन्होंने गोलीय हैं और अनूठी भी है। हिंदी गोली की डिगी थी, जो उन्होंने लोनैन विश्वविद्यालय से प्राप्त की।







## फिल्म इवेंट

### हॉलीवुद

#### 'पैरासाइट' निर्देशक बोंग ने क्यन की मौत की जांच की आवाज उठाई

सियोल। दक्षिण कोरियाई अभिनेता ली सुन क्यन की मौत को लेकर विवाद गहरात ही जा रहा है, बोंग 27 दिसंबर को अभिनेता अपनी कार में मृत पाए गए थे। वे 48 साल के थे, फिल्म 'पैरासाइट' में अपने अधिनय में ली सुन क्यन ने दुनियावर में अपनी पहचान बनाई थी। इसके लिए उन्हें आस्ट्रेलिया और भी मिला था। अब जाने-माने निर्देशक बोंग जन-हो ने अन्य कलाकारों के साथ 'पैरासाइट' अभिनेता की मौत की गढ़न जांच का आग्रह किया है। वर्ती, कलाकारों ने मीडिया द्वारा ली के निजी जीवन के संसारी-खेज पहलुओं पर भी चिंता जताई है। 27 दिसंबर को ली सुन क्यन अपनी कार में मृत पाए गए थे, जिसे आत्महत्या माना गया। पुलिस की जांच में अधिनेता अपने अधिनय में साथी दबाओं के उत्तरोग की बात समझ आई थी। एक राष्ट्रीय समाचार चैनल के कॉर्फ्स में ऑस्ट्रेलिया के निर्देशक बोंग जन-हो ने अन्य कलाकारों के साथी कलाकार, जिनमें किम र्यू-सुंग समेत अन्य लोग शामिल थे, उन्होंने पुलिस द्वारा बार-बार पूछताछ के लिए बुलाने की लेकर भी सवाल उठाए हैं। इसके साथ ही मीडिया में जांच से संबंधित विवरण के लिए पर भी उन्होंने सवाल खड़े किए हैं। निर्देशक बोंग जन-हो ने अपने बयान में कहा कि हम संबंधित अधिकारियों से पूरी तरह जांच की आवाज आवश्यकता पर जार देना पड़ा।

#### टलीवुद

#### 'केएच-237' से निर्देशन की पारी शुरू करेंगे अंबरीव, कमल ने की घोषणा

चेन्नई। तमिल सुपरस्टार कमल हसन अपनी अदाकारी से लाखों फैस के दिलों पर राज करते हैं। साड़थ ही नहीं, बल्कि उत्तर भारत में उनकी फिल्मों का ज्यादा पसंद की जाती है। विक्रम के सुपरहिट

होने के बाद अब उनके प्रशंसकों को अभिनेता की आगामी फिल्मों का बेस्ट्री से इंतजार है। इस बीच सुपरस्टार ने शुक्रवार को एक नई फिल्म की घोषणा कर ली है।

इसका निर्देशन मशहूर स्टार केरियर्यार्कर्स अनंतरीव करेंगे। फिल्म का नाम अस्थायी रूप से केएच 237 खाली गया है। कमल हसन के अपने एक्सेस के लिए, 'केएच237' के लिए निर्देशक के रूप में दो पहले से सिद्ध प्रतिभाओं को उनके नए अवतारों में लाने पर गवर्न है।

आपका फिल्म से स्वतंत्र है। "आगामी फिल्म अंतुष्ठित अस्थायी के निर्देशन की फली फिल्म है, जिसे अंबरीव के नाम

से जाना जाता है। कमर्क की ओर से साथा किरण केरच 237 अनाउंसमेंट टीजर भी देखकर कहा जाता है कि फिल्म में अधिनेता के अपने ग्रोंजेट की बात करती है। इस अप्रत्याशित घोषणा के बाद प्रशंसक फैन्स के नजर आए।

सोशल मीडिया पोर्ट के जरीए इस फिल्म का एलान किया है।

इसका निर्देशन मशहूर स्टार केरियर्यार्कर्स अनंतरीव करेंगे। फिल्म का नाम अस्थायी रूप से केएच 237 खाली गया है। कमल हसन के अपने एक्सेस के लिए, 'केएच237' के लिए निर्देशक के रूप में दो पहले से सिद्ध प्रतिभाओं को उनके नए अवतारों में लाने पर गवर्न है।

गवर्न है। मार्टस अंबरीव...राज कमल फिल्म इंटरनेशनल में

आपका फिल्म से स्वतंत्र है। "आगामी फिल्म अंतुष्ठित अस्थायी के निर्देशन की फली फिल्म है, जिसे अंबरीव के नाम

से जाना जाता है। कमर्क की ओर से साथा किरण केरच 237 अनाउंसमेंट टीजर भी देखकर कहा जाता है कि फिल्म में अधिनेता के अपने ग्रोंजेट की बात करती है। इस अप्रत्याशित घोषणा के बाद प्रशंसक फैन्स के नजर आए।

सोशल मीडिया वे इस टीजर को लेकर जमकर टिप्पणी करते

नजर आए। एक युजर ने उत्साह व्यक्त करते हुए लिखा, 'एक

बड़ी एक्सेस की उम्मीद है।' एक अन्य ने टिप्पणी की,

रवास्त्रिक एक्सेस के लिए इस फिल्म के बारे में इस्तेमाल हो रहा है। कमल हसन और

अरिवुमपि के निर्देशन की फली फिल्म है, जिसे अंबरीव के नाम

से जाना जाता है। कमर्क की ओर से साथा किरण केरच 237

अनाउंसमेंट टीजर भी देखकर कहा जाता है कि फिल्म में अधिनेता के अपने ग्रोंजेट की बात करती है। इस अप्रत्याशित घोषणा के बाद प्रशंसक फैन्स के नजर आए।

सोशल मीडिया वे इस टीजर को लेकर जमकर टिप्पणी करते

नजर आए। एक युजर ने उत्साह व्यक्त करते हुए लिखा, 'एक

बड़ी एक्सेस की उम्मीद है।' एक अन्य ने टिप्पणी की,

रवास्त्रिक एक्सेस के लिए इस फिल्म के बारे में इस्तेमाल हो रहा है। कमल हसन और

अरिवुमपि के निर्देशन की फली फिल्म है, जिसे अंबरीव के नाम

से जाना जाता है। कमर्क की ओर से साथा किरण केरच 237

अनाउंसमेंट टीजर भी देखकर कहा जाता है कि फिल्म में अधिनेता के अपने ग्रोंजेट की बात करती है। इस अप्रत्याशित घोषणा के बाद प्रशंसक फैन्स के नजर आए।

सोशल मीडिया वे इस टीजर को लेकर जमकर टिप्पणी करते

नजर आए। एक युजर ने उत्साह व्यक्त करते हुए लिखा, 'एक

बड़ी एक्सेस की उम्मीद है।' एक अन्य ने टिप्पणी की,

रवास्त्रिक एक्सेस के लिए इस फिल्म के बारे में इस्तेमाल हो रहा है। कमल हसन और

अरिवुमपि के निर्देशन की फली फिल्म है, जिसे अंबरीव के नाम

से जाना जाता है। कमर्क की ओर से साथा किरण केरच 237

अनाउंसमेंट टीजर भी देखकर कहा जाता है कि फिल्म में अधिनेता के अपने ग्रोंजेट की बात करती है। इस अप्रत्याशित घोषणा के बाद प्रशंसक फैन्स के नजर आए।

सोशल मीडिया वे इस टीजर को लेकर जमकर टिप्पणी करते

नजर आए। एक युजर ने उत्साह व्यक्त करते हुए लिखा, 'एक

बड़ी एक्सेस की उम्मीद है।' एक अन्य ने टिप्पणी की,

रवास्त्रिक एक्सेस के लिए इस फिल्म के बारे में इस्तेमाल हो रहा है। कमल हसन और

अरिवुमपि के निर्देशन की फली फिल्म है, जिसे अंबरीव के नाम

से जाना जाता है। कमर्क की ओर से साथा किरण केरच 237

अनाउंसमेंट टीजर भी देखकर कहा जाता है कि फिल्म में अधिनेता के अपने ग्रोंजेट की बात करती है। इस अप्रत्याशित घोषणा के बाद प्रशंसक फैन्स के नजर आए।

सोशल मीडिया वे इस टीजर को लेकर जमकर टिप्पणी करते

नजर आए। एक युजर ने उत्साह व्यक्त करते हुए लिखा, 'एक

बड़ी एक्सेस की उम्मीद है।' एक अन्य ने टिप्पणी की,

रवास्त्रिक एक्सेस के लिए इस फिल्म के बारे में इस्तेमाल हो रहा है। कमल हसन और

अरिवुमपि के निर्देशन की फली फिल्म है, जिसे अंबरीव के नाम

से जाना जाता है। कमर्क की ओर से साथा किरण केरच 237

अनाउंसमेंट टीजर भी देखकर कहा जाता है कि फिल्म में अधिनेता के अपने ग्रोंजेट की बात करती है। इस अप्रत्याशित घोषणा के बाद प्रशंसक फैन्स के नजर आए।

सोशल मीडिया वे इस टीजर को लेकर जमकर टिप्पणी करते

नजर आए। एक युजर ने उत्साह व्यक्त करते हुए लिखा, 'एक

बड़ी एक्सेस की उम्मीद है।' एक अन्य ने टिप्पणी की,

रवास्त्रिक एक्सेस के लिए इस फिल्म के बारे में इस्तेमाल हो रहा है। कमल हसन और

अरिवुमपि के निर्देशन की फली फिल्म है, जिसे अंबरीव के नाम

से जाना जाता है। कमर्क की ओर से साथा किरण केरच 237

अनाउंसमेंट टीजर भी देखकर कहा जाता है कि फिल्म में अधिनेता के अपने ग्रोंजेट की बात करती है। इस अप्रत्याशित घोषणा के बाद प्रशंसक फैन्स के नजर आए।

सोशल मीडिया वे इस टीजर को लेकर जमकर टिप्पणी करते

नजर आए। एक युजर ने उत्साह व्यक्त करते हुए लिखा, 'एक

बड़ी एक्सेस की उम्मीद है।' एक अन्य ने टिप्पणी की,

रवास्त्रिक एक्सेस के लिए इस फिल्म के बारे में इस्तेमाल हो रहा है। कमल हसन और

अरिवुमपि के निर्देशन की फली फिल्म है, जिसे अंबरीव के नाम

से जाना जाता है। क